प्रविक्र

इन्द् क्रमण प्रापड प्रशुद्ध सचिव, वित्ता, उपल्लाहर शासन्।

संवा में

- सनस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उतारांचल ।
- 2— दिता अधिकारी / कुल-सर्विव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उत्तरांपल । ३— समस्य अध्यक्ष, जिला प्रचायते, उत्तरांचल ।

विता (सामान्य नियम – वेतन आयोग) अनुमाय-3

देहराद्नः दिनांकः 22 अक्टूबर, 2005

विभयः राज्य कर्मवारियों और सहायक प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय नितनयों के कर्मचारियों की गंहगाई मही का भुगतान दिनांक : 01 जुलाई, 2005 से लागू दर।

गटित निम्नतिखात -

1- शासनादेश संस्था-174/ XXVII(3)म/2004 विनावा । 11 मई, 2004

१- भारत संस्कार,विता मंत्रालय,व्यव विभाग,कार्यालय ४१०४ संख्या-परावस्ता(6)/2005. सर्थ-11(स्त) / 745 दिनांक । 07 राष्ट्रवर, 2005 ।

48.4%

जपर्युपर विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि क0 स0 1 एवं 2 में उल्लिखित शासनादेश विनाक । ा मई, 2005 एवं 07 अवदूबर, 2006 के छन में राज्यपाल महोदय ने प्रदेश के समस्त पूर्णकालिक नियमित राज्य कर्मधारियों और सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्वकालिक कर्मचारियों य बूठजीठडीठ देतनमानों में कार्यस्त पदधारकों को दिनांक । ०१ जुलाई 2005 है निस्तानुसार संशोधित दर से महराई बतो के भुगतान की सहवें स्वीकृति प्रदान कर वी है :--

तिथि,जिस दिन से देव है	प्रतिगाह मंहगाई भत्तो की दर
01 जुलाई, 2005	वैतन का 21 प्रतिशत

- इस प्राप्तनादेश हारा रहीकृत महागाई भक्तों के संबंध में शासनादेश संख्या-1-1599 / वस्त-42(एम) / 97 विमांक : 23 नवम्बर, 1998 के प्रस्तर-3,4,5 एवं 7 में चरिलखित प्राविधान प्रधादत लाग रहेंगे
- 5- ऐसे अधिकारी / कर्मध्येश जिनके येतनमानों का दिनांक : ११ जनवरी, 1956 से पुनशक्षण नहीं हुआ है, के भागकों में दिनाक : 01 जनकरी, 2005 से महराई भक्ते के मुगकान हेतु उपर्युक्त विषयाकित कर्माक-(1) एवं (2) पर उस्तिखित शासनावेश दिनांक 02 नदम्बर, 2004 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ऐसे मामलों में 01 जुलाई, 2005 से प्रभावी महनाई भक्ता देतन के 63 प्रतिश्वात के आधार पर शासनादेश दिनांक 02 जुन 1998 के प्रस्तर-5 में दी गयी प्रकिया के आधार पर आगणित किया जायेगा।
- 4- इन शासनादेशों द्वारा स्थीकृत / संशोधित दर्श पर ग्रहराई मलों की दिनांक : 01 जनवरी, 2005 से 31 अरुट्रावर, 2005 तक की देग अवशेष धनराशि संबंधित अधिकारी / कर्नवारी के भविष्य निवि खाते में जमा उसे

1215 100

जायेगी,और इस प्रकार जमा धनरात्रि को भविष्य निधि खाते में दिशक : 61 नवन्त्रर, 2005 से जमा माना जायेगा और इस तिथि से उक्त धनरात्रि पर ब्याज भविष्य निधि पर लागू दर से देय होगा।

इस प्रकार भविष्य निधि खाते में जना की गर्वी अवशेष धनसीश दिनांक : 31 अक्टूबर, 2006 तक संबंधित अधिकारी/कर्मचारों के खाते में जना रहेगी और इसे उस्त तिथि से पूर्व नहीं निकाला जा सकेंगा। यदि कोई अधिकारी/कर्मधारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है को उसे उस्त अवशेष धनसीश नेशनल सेविंग सर्टिफिकंट (एन)एस) के स्तय में दी जायंगी,परन्तु धनतीश के जिस अश का सर्टिफिकंट उपलब्ध न हो, दह नकद दी जायंगी, बिल/शेड्यूब/बालान पर शासनवंश संख्या—सा—4—12—97—500(1)97,दिनांक 07 अवद्युर, 1997 में निहित आदेशानुसार निधारित मोहर लगायी जानी चाहिये।

5- इन आदेशों के द्वारा खीकृत मंहगाई भक्ते की बड़ी हुई धनतशि का भुगतान अधिकारियों/कर्मधारियों को दिनाक or नदम्बर, 2005 (भुगतान दिनांक 30 मदम्बर, 2005 को देय) से नकद किया जायेगा।

ह- इन अदेशों के द्वारा खीकृट महमाई भरते के भुगतान की प्रक्रिया जो उपरोक्त प्रस्तारों में उल्लिखित इ.अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियाँ पर भी लागू होगी।

7— जिन अधिकारियों/कर्मबोरियों की संवाए इस शासनादेश के जारी किये जाने की तिथि से पूर्व समान्त हां रही हो अथवा जो अधिकारी/कर्मबारी अधिवर्षता की आयु पर दिनांक । 31 अवदूबर, 2005 तक संजानिवृत होने वासे हों, उनको देय महागई भत्ते के अवशेष की सम्पूर्ण बनराशि का भुगतान नकद किया जावेगा।

भवदीय

इन्दु कुमार पाण्डे प्रमुख सचिव।

संख्या: 09 (1)/XXVII(7)म/2005, एवं तद्दिनांक

प्रतिसिपि निन्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- १ महालेखाळार ओवराय भवन, माजरा, देहरादुन।
- 2 भगरत कांश्रचिकारी, उत्तराचल देहरादून।
- उरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (वंतन अनुसंधान एकक),भारत सरकार विता मंत्रालय (व्यय विमाग), कमरा म-261, मार्थ ब्लाक, मई दिल्ली-116001)
- सचिव, राज्यपाल नहोदय उत्तराचल, देहरादून।
- 5 साधेव विधान सभा, उत्तराधल देहरादृन।
- महानिवश्यक, उच्च न्यायालय, उत्तरांचल, देहरादून।
- १ रीजनल प्राविद्वेन्ट फण्ड फनिश्नर कानपुर / देहरादून।
- 5 निदेशक कोषागार एड विला सेवाए, उत्ताराचल दहरादून।
- १ स्थानिक आयुक्त, उत्तरायल, नई दिल्ली।
- 10 निदेशक एन०आई०रीछ उत्तराचल,दरसदून

आझा सी

(टी०एन०सिंह) अपर सचिव।